हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 65 देहरादून, बुधवार, 30 अगस्त, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

कालाबाजारी वालों को छोड़ा नहीं जायेगा : डॉ आर राजेश कुमार, स्वास्थ्य सचिव 3

राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कर रही हरसंभव प्रयास : धामी

मुख्यमंत्री ने खेल-खिलाडियों के लिए 4 बड़ी घोषणाएं की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 अगस्त , राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में 'मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना से प्रदेश के 14 से 23 वर्ष के 2600 खिलाड़ी लाभान्वित होंगे। इस योजना से प्रत्येक जनपद से बालक एवं बालिका वर्ग में 100-100 खिलाड़ी लाभान्वित होगें। प्रत्येक खिलाड़ी को प्रतिमाह 02-02 हजार रूपये की छात्रवृत्ति एवं खेल संबंधी उपकरण लेने के लिए प्रतिवर्ष 10-10 हजार रूपये प्रदान किये जायेंगे। सर्वे चौक स्थित आई.आर.डी.टी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कुछ खिलाड़ियों को दो-दो हजार रूपये का चेक प्रदान कर योजना का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी योजना के तहत खिलाड़ियों को चेक भी प्रदान किये। कार्यक्रम के दौरान पैरालंपिक खिलाड़ियों एवं नेशनल पावर लिफ्टिंग में गोल्ड मेडल प्राप्तकर्ता अपर पुलिस महानिदेशक अमित सिन्हा को भी सम्मानित किया।राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य में खेल से जुड़ी चार घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, देहरादून के खिलाडियों हेतु 200 बैड के छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा। हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज लेलू, पिथौरागढ़ के खिलाड़ियों हेतु 50 बैड के छात्रावास का निर्माण कराया जायेगा। उत्तराखण्ड के खिलाड़ियों का दैनिक भोजन भत्ता 250 रुपए से बढ़ाकर भारतीय खेल प्राधिकरण की भांति 480 रुपए प्रतिदिन, प्रति खिलाड़ी किया जायेगा।राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले उत्तराखण्ड के खिलाड़ियों को साधारण बस एवं स्लीपर रेल किराया से बढ़ाते हुए एसी बस अथवा श्री टीयर एसी ट्रेन यात्रा की सुविधा प्रदान की जायेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने सभी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को बधाई देते हुए कहा कि मेजर ध्यानचंद के अनुकरणीय एवं शानदार खेल कौशल ने भारतीय हॉकी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। अपने खेल के दम पर उन्होंने दुनिया भर के लाखों दिलों पर राज किया। देश के जैवलिन थ्रो के स्टार खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड मेडल जीतकर एक बार फिर से साबित कर दिया कि दुनिया में कहीं भी खेल का मैदान हो, भारत का तिरंगा शान से लहराता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी खेलों को बढावा देने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। पिछले वर्ष शुरू की गई मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना में 08 से 14 वर्ष के उभरते खिलाड़ियों को 1500 रूपये प्रतिमाह की खेल छात्रवृत्ति दी जा रही है। प्रदेश में करीब 3900 उभरते खिलाड़ियों को खेल छात्रवृत्ति दी जा रही है। राज्य में खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन हेतु नई खेल नीति लाई गई है। खिलाड़ियों को नियमानुसार त्वरित वित्तीय लाभ दिये जाने हेतु मुख्यमंत्री खेल विकास निधि की स्थापना की गयी है।

खिलाड़ियों के प्रतियोगिता एवं प्रशिक्षण शिविरों में तथा यात्रा के दौरान दुर्घटना होने पर आर्थिक सहायता की व्यवस्था भी की गई है। विश्वविद्यालयों में व्यवसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 5 प्रतिशत स्पोर्ट्स कोटा की व्यवस्था करने के लिये नियमावली बनाने जा रही है। राज्य के अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न सेवायोजन प्रदान किये जाने की व्यवस्था की जा रही है। राज्याधीन सेवाओं में सेवायोजन के लिए 4 प्रतिशत खेल कोटे को पुनः लागू किये जाने की कार्यवाही भी अंतिम चरण में है।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। खेल को केन्द्र बिन्दु में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी द्वारा कार्य किये जा रहे हैं। अगले वर्ष उत्तराखण्ड राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा। नई खेल नीति में खिलाड़ियों के लिए हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने के प्रयास किये गये हैं। खिलाड़ियों के नकद पुरस्कार में भी वृद्धि की गई है। इस अवसर पर विधायक खजानदास, मेयर सुनील उनियाल गामा, विशेष प्रमुख सचिव खेल अभिनव कुमार, खेल निदेशक जितेन्द्र कुमार सोनकर उपस्थित थे।

केदारनाथ मंदिर अन्नकूट मेले के लिए सजा

रुद्रप्रयाग। रक्षा बंधन से ठीक एक दिन पहले केदारनाथ में भतूज मेले का आयोजन किया जा रहा है। हर साल की तरह इस साल भी मेले के लिए मंदिर को 15 कुंतल फूलों से सजाया गया है। मध्य रात्रि में पूजन के साथ ही भगवान शिव के स्वयंभू लिंग को चावलों से ढक दिया जाएगा। मंगलवार रात केदारनाथ धाम में भतूज (अन्नकूट) मेला आयोजित हो रहा है। बदरी-केदार मंदिर समिति ने दानीदाता के सहयोग से केदारनाथ मंदिर को 15 कुंतल फूलों से सजाया है। बीकेटीसी के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने तीर्थयात्रियों को भतूज तथा रक्षा बंधन की शुभकामनाएं दी है। बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि भतूज पर्व के लिए सभी तैयारियां कर दी गई हैं। बता दें कि भतूज के दिन नए धान के चावलों का पका कर भोग से भगवान केदारनाथ के स्वयंभू शिवलिंग को लेप कर ढक़ दिया जाता है। इसके बाद रात्रिभर दर्शन के बाद सुबह चावलों को शिवलिंग से उतार कर मंदाकिनी नदी में प्रवाहित कर लिया जाता है। मान्यता है कि नए अनाज तथा पके चावलों के भोग को स्वयंभू शिवलिंग पर चढाने से सभी अन्न प्रजाति से विष समाप्त हो जाता है। इस मौके पर केदारनाथ में हक हकूकधारी चावल का भोग बनाकर भगवान केदारनाथ को समर्पित करेंगे। इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थ तथा भोग सामग्री भगवान केदारनाथ को समर्पित की जाएगी। वहीं मंगलवार को ही केदारनाथ क्षेत्र की देवी कात्यायनी डौल्या देवी भगवान केदारनाथ दर्शन किए। देव डोलियों का सोमवार को शाम केदारनाथ धाम पहुंचने पर मंदिर समिति तथा केदार सभा द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री से किसानों के प्रतिनिधि मण्डल ने की भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को बाजपुर में सिंचाई विभाग के अतिथिगृह में भूमि बचाओ आन्दोलन से जुड़े किसानों के प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की। प्रतिनिधिमण्डल ने बाजपुर के 20 गाँवों की 5838 एकड़ भूमि पर मालिकाना हक दिये जाने की माँग मुख्यमंत्री से की। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार जटिल से जटिल समस्याओं के निस्तारण हेतु सरलीकरण, समाधान एवं निस्तारण के मंत्र पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बाजपुर की भूमि समस्या के स्थाई समाधान हेतु सकारात्मक दिशा में कार्यवाही की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्याओं के निस्तारण में कुछ समय अवश्य लग रहा है परन्तु उसके निस्तारण में सकारात्मक सोच के साथ कार्य किया जायेगा। प्रतिनिधिमण्डल में भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, निरंजन दास गोयल, जगतार सिंह बाजवा, रजनीत सिंह 'सोनू', कुलवीर सिंह, सुशील सिंगला आदि शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने किया बाजपुर में बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को भारी वर्षा के दौरान बाजपुर में लेबड़ा नदी से हुये नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों व गणमान्य व्यक्तियों से बाढ़ से हुई क्षति तथा उसके कारणों के स्थाई समाधान के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने बाजपुर की बाढ़ की समस्या के स्थाई समाधान हेतु मण्डलायुक्त दीपक रावत से दूरभाष पर वार्ता करते हुए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने मण्डलायुक्त को जनपद नैनीताल तथा ऊधमसिंह नगर के अधिकारियों के साथ आपसी समन्वय एवं तालमेल से संयुक्त निरीक्षण कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन व सिंचाई विभाग के अभियंताओं को निर्देश दिए कि जब तक स्थाई समाधान नहीं हो जाता तब तक के लिए अस्थाई बाढ़ सुरक्षा कार्य करा लिये जायें। ताकि अगली बरसात में क्षेत्रवासियों को इस प्रकार की समस्या से न जूझना पड़े। उन्होंने बाढ़ से निजात हेतु राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत तात्कालिक कार्य कराने के निर्देश जिलाधिकारी को दिए। इस अवसर पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, पूर्व विधायक डॉ. शैलेन्द्र मोहन सिंघल, भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, पूर्व दर्जा राज्यमंत्री राजेश कुमार, आईजी नीलेश आनन्द भरणे, जिलाधिकारी उदयराज सिंह, एसएसपी मंजूनाथ टीसी, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार जोशी आदि उपस्थित थे।

रात में राखी बांधनी चाहिए या नहीं? क्या कहते हैं नियम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , साल 2023 में भाई-बहनों के अटूट स्नेह का प्रतीक त्योहार रक्षाबंधन भद्रा लगने की वजह से दो दिन मनाया जा रहा है. 30 और 31 अगस्त को राखी (Ralhi) बांधी जाएगी. प्रत्येक त्यौहार अपने आप में विशेष महत्व रखता है. हर साल सनातन धर्म में कई त्योहार मनाए जाते हैं जो अलग-अलग माह और अलग-अलग तिथियां में पड़ते हैं. इन त्योहारों को शुभ मुहूर्त में मनाने से इनका सकारात्मक परिणाम मनुष्य के जीवन पर दिखाई देता है. इस समय सावन का महीना अपने अंतिम चरण पर है. रक्षाबंधन के त्योहार के साथ इस महीने का भी समापन हो जाएगा. हर बार रक्षाबंधन को लेकर हिंदू पंचांग में शुभ मुहूर्त का उल्लेख मिलता है.

क्या राखी रात में बांध सकते हैं या नहीं

रक्षाबंधन एक ऐसा त्योहार है जिसमें बहन अपने भाई के माथे पर तिलक कर उसकी दाएं हाथ की कलाई पर राखी बांध कर अपनी रक्षा का वचन लेती है. वहीं भाई भी राखी बंधवा कर कुछ उपहार देते हुए अपनी बहन की रक्षा का वादा करता है. हिंदू पंचांग में जो शुभ मुहूर्त दिया जाता है उसी को सर्वोत्तम मानकर राखी बांधी जाती है. फिर चाहे वह मुहूर्त सुबह का हो या रात का. शुभ मुहूर्त में राखी बांधना लाभकारी होता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार भद्राकाल में राखी बांधना वर्जित है. इस साल राखी बांधने का शुभ रात का है, इसलिए ये साफ है कि राखी रात में भी बांधी जा सकती है.

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष रक्षाबंधन का पर्व 30 और 31 अगस्त यानी 2 दिन मनाया जा रहा है. 30 अगस्त को सुबह से ही भद्रा काल की वजह से राखी बांधने का शुभ मुहूर्त रात में 9:02 बजे से अगले दिन यानी 31 अगस्त 2023 को सुबह 7:05 बजे तक रहेगा.

रक्षा बंधन पर यहां राखी नहीं बांधते बल्कि खेला जाता है 'खूनी खेल'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 अगस्त : रक्षा बंधन को जहां लोग भाई बहन के प्यार का त्योहार मानते हैं, वहीं एक जगह ऐसी भी है जहां इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी नहीं बांधती हैं, बल्कि पूरा गांव मिलकर खुशी-खुशी खूनी खेल खेलने जुट जाते हैं। जानते हैं इसकी रोचक कहानी उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल में मां वाराही धाम में श्रावणी पूर्णिमा (रक्षाबंधन के दिन) को यहां के स्थानीय लोग चार दलों में विभाजित होकर पत्थरों से युद्ध करते हैं।

इन चार दलों को खाम कहा जाता है, जिनमें क्रमशः चम्याल खाम, बालिक खाम, लमगडिया खाम, और गडहवाल होते हैं। ये चार दल दो समूहों में बंट जाते हैं और इसके बाद युद्ध होता है जिसमें पत्थरों को अस्त्र के रूप में उपयोग किया जाता है। इस पत्थरमार युद्ध को स्थानीय भाषा में 'बग्वाल' कहा जाता है। यह बग्वाल कुमाऊं की संस्कृति का अभिन्न अंग है। श्रावण मास में पूरे पखवाड़े तक देवीधुरा में मेला लगता है।

जहां सबके लिए यह दिन रक्षाबंधन का दिन होता है वहीं देवीधुरा के लिये यह दिन पत्थर-युद्ध अर्थात 'बग्वाल का दिवस' होता

है।इस पाषाण युद्ध है जिसको देखने देश के कोने-कोने से दर्शनार्थी आते हैं। इस पाषाण युद्ध में चार खानों के दो दल एक दूसरे के ऊपर पत्थर बरसाते हैं। इस युद्ध में कई लोग घायल भी होते हैं। बग्वाल खेलने वाले अपने साथ बांस के बने फर्रे पत्थरों को रोकने के लिए रखते हैं। मान्यता है की बग्वाल खेलने वाला व्यक्ति यदि पूर्णरूप से शुद्ध व पवित्रता रखता है तो उसे पत्थरों की चोट नहीं लगती है।

बता दें कि इस बार रक्षाबंधन पर चंद्रग्रहण भी लग रहा है। इसलिए के वकल शुभ मुहूर्त में ही राखी बांध सकेंगे। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि चंद्रग्रहण से 9 घंटे पहले यानी दोपहर 1.53 बजे से सूतक लग जाएंगे, वहीं सुबह 11.04 बजे तक भद्रा का असर रहेगा। इसलिए सुबह 11.05 बजे से लेकर 1.52 मिनट (करीब 3 घंटे) तक आप रक्षाबंधन का त्योहार मना सकते हैं।

पूरे शरीर को ले डूबेगा खाने के बाद मीठा खाने का शौक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 अगस्त : हेल्दी और बैलेंस डाइट बहुत जरूरी है। यह शरीर के लिए जरूरी न्यूट्रिशन देती है। बीमारियों से बचाव या इलाज के लिए स्वस्थ आहार सबसे पहला कदम होता है। एक बढ़िया डाइट में साबुत अनाज, फलियां, फल-सब्जी, लीन प्रोटीन आदि का संतुलित मिश्रण होता है।अगर बॉडी को फिट रखने के लिए आपको खाना खाने के बाद भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।क्योंकि, कुछ गलतियां करने से आपको नुकसान पहुंच सकता है। मेडिकल न्यूट्रीशनिस्ट विपिन राणा ने 3 काम बताए हैं, जो भोजन लेने के बाद कभी नहीं करने चाहिए। बहुत से लोगों को खाना खाने के बाद मीठा खाने की आदत होती है। इसके बिना उनका भोजन पूरा ही नहीं होता और पेट खाली-खाली लगता है। यह काम करने से कफ बढ़ने लगता है। इसके कारण सांस की तकलीफ, खांसी, भारीपन महसूस हो सकता है।मीठे की तरह लोगों को खासकर डिनर के बाद आइसक्रीम का शौक होता है। मगर डिनर या किसी भी मील के तुरंत बाद आइसक्रीम खाने से नुकसान हो सकता है। आयुर्वेद में

गर्म भोजन के बाद ठंडे पदार्थ खाना सख्त मना किया गया है, इसे विरुद्ध आहार कहते हैं। फिट रहने के लिए जिम और एक्सर-साइज बहुत जरूरी है। यह दिल की बीमारी से बचाने के साथ वजन कंट्रोल रखती है। मगर खाना खाने के तुरंत बाद कभी भी जिम या हैवी एक्सरसाइज ना करें। इससे उल्टी, पेट दर्द, अपच हो सकती है। एक्सपर्ट ने बताया कि भोजन के बाद शतपावली की जा सकती है। इसमें आपको आराम से कम से कम 100 कदम चलने होते हैं। यह खाना पचाने और ब्लड सर्कुलेशन सही रखने में मदद करेगा।

किस ग्रह का एक साल 165 वर्षों का, जानिए रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , आप सभी को अब ये मालूम चल चुका है कि चांद का एक पूरा दिन (यानि दिन रात) करीब 28 दिनों का होता है. यानि पृथ्वी का जो एक दिन 24 घंटे का होता है वो यहां पृथ्वी के लिहाज से 672 घंटे का होता है. क्या आपको मालूम है कि दूसरे ग्रहों पर दिन कितने लंबे होते हैं और सबसे लंबा एक दिन किस ग्रह पर होता है.

बुध ग्रह का एक दिन 1408 घंटे के बराबर होता है. इसका मतलब बुध का एक दिन पृथ्वी के 58 दिनों के बराबर होता है. हालांकि ये सौरमंडल का सबसे लंबा दिन नहीं है. बुध वैसे सौरमंडल के आठ ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य का सबसे करीबी ग्रह है. ये सूर्य की परिक्रमा करीब 88 दिनों में पूरी करता है.शुक्र ग्रह पर दिन सबसे लंबे होते हैं. वहां का एक दिन 5,832 घंटे के बराबर होता है मतलब है कि शुक्र का एक दिन पृथ्वी के 243 दिनों के बराबर होता है. ये सूर्य का दूसरा नजदीकी ग्रह है. ये 224.7 पृथ्वी दिनों मे सूर्य की परिक्रमा करता है. शुक्र का नामकरण प्रेम और सौंदर्य की रोमन देवी पर हुआ है. चंद्रमा के बाद ये रात सबसे चमकता दिखने वाला ग्रह है.

मंगल ग्रह का एक दिन करीब करीब पृथ्वी

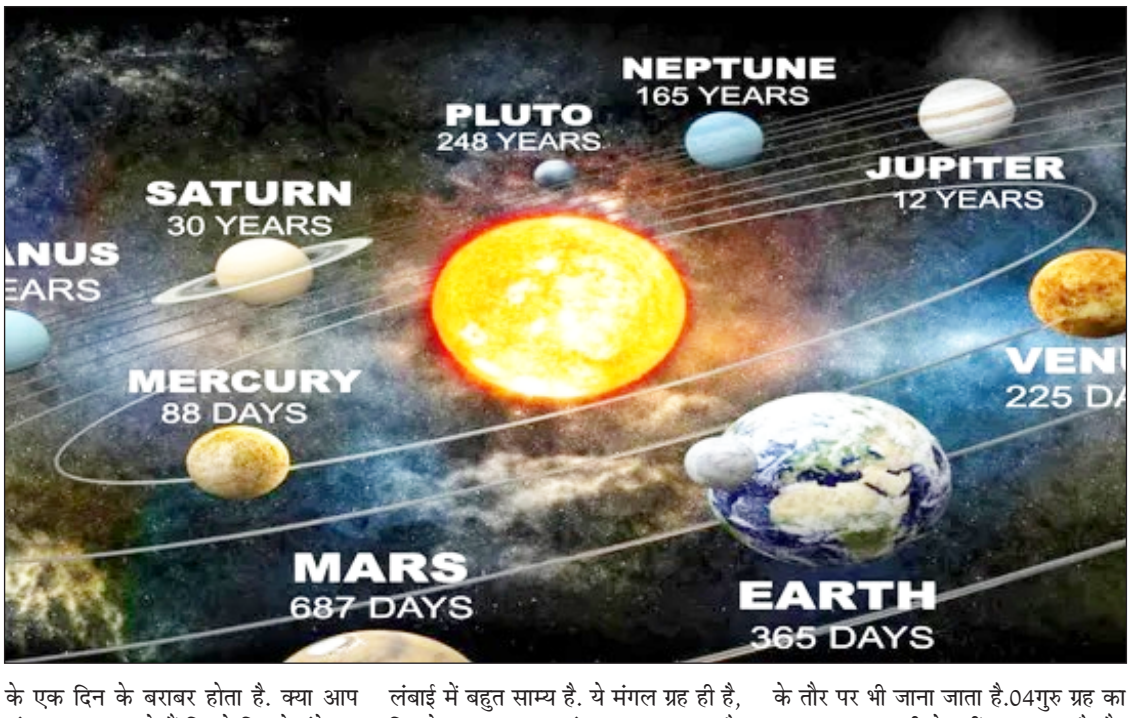

के एक दिन के बराबर होता है. क्या आप अंदाज लगा सकते हैं कि ये कितने घंटे का होता होगा. ये 25 घंटों का होता है. समझा जा सकता है कि मंगल और पृथ्वी के दिन की लंबाई में बहुत साम्य है. ये मंगल ग्रह ही है, जिसके चक्कर हमारा मंगलयान लगा रहा है. मंगल ग्रह बुध, शुक्र और पृथ्वी के बाद दूरी के हिसाब से सूर्य का चौथा ग्रह है. इसे लाल ग्रह के तौर पर भी जाना जाता है.04गुरु ग्रह का आकार प्रकार पृथ्वी से कहीं ज्यादा बड़ा है और इसका एक दिन पृथ्वी के एक दिन की तुलना में आधे से भी कम है. इसका एक दिन 10 घंटे का होता है. इसे बृहस्पति और ज्यूपिटर भी कहते हैं. ये हमारे सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है. इसका द्रव्यमान सूर्य के हजारवें भाग के बराबर तथा सौरमंडल में मौजूद अन्य सात ग्रहों के कुल द्रव्यमान का ढाई गुना है. बृहस्पति के कुल 95 उपग्रह हैं. ये सूर्य की एक पूरी परिक्रमा 11.86 साल में लगाता है. शनि ग्रह का एक दिन 11 घंटे का होता है यानि अगर हम शनि पर जाएं तो वहां पृथ्वी के करीब दो दिनों के बराबर उसका एक दिन होगा. शनि सूर्य से छठा ग्रह है और बृहस्पति के बाद सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह है. औसत व्यास में ये पृथ्वी से नौ गुना बड़ा है. शनि और सूर्य के बीच की औसत दूरी 1.4 अरब किलोमीटर से अधिक है. सूर्य के चारों ओर एक पूरा चक्कर लगाने के लिए ये करीब 29.5 साल लेता है.

अब बचते हैं दो और ग्रह. यूरेनस और नेपच्यून. ये ग्रह सूर्य से सबसे ज्यादा दूर के ग्रह हैं. यूरेनस का एक दिन 17 घंटे का होता है तो नेपच्यून का 16 घंटे का. नेपच्यून का द्रव्यमान पृथ्वी से 17 गुना अधिक है. आप हैरान होंगे कि ये ग्रह सूरज की एक पूरी परिक्रमा करने में कितने साल लेता है. जवाब है 164.79 साल.वहीं यूरेनस का एक साल 84 सालों के बराबर होता है

कालाबाजारी वालों को छोड़ा नहीं जायेगा : डॉ आर राजेश कुमार, स्वास्थ्य सचिव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राज्य में तेजी से बढ़ते हुए डेंगू के मामले को देखते हुए स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर आर राजेश कुमार ने सबसे पहले ब्लड बैंक में व्यवस्थाएं देखी यहां पर उन्होंने सख्ती से कहा कि 24 घंटे आरडीपी और एसडीपी की प्रक्रिया होनी चाहिए। प्राचार्य डॉक्टर आशुतोष स्याना ने उन्हें जानकारी दी कि अगले 10 दिन में एसडीपी यानी जंबो पैक बनाने वाली दूसरी एप्रेसेस मशीन यहां इंस्टॉल हो जाएगी। जिसकी वजह से मरीजों को इंतजार कम करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य सचिव ने किया दून हॉस्पिटल का मुआयना

इसके बाद स्वास्थ्य सचिव ने डेंगू वार्ड और पीडिया वार्ड का निरीक्षण किया। डेंगू वार्ड में 67 बेड लगाए गए हैं वहीं पीडिया में 30 बेड डेंगू के लिए आरक्षित है। स्वास्थ्य सचिव ने अधकारियों को हिदायत दी की मेडिसिन और पीडिया के डेंगू मरीजों के संबंध में समन्वय बना रहे। इस दौरान उन्होंने डेंगू से पीड़ित मरीजों व उनके परिजनों से अस्पताल में मिल रहे इलाज से संबंधित जानकारी ली। डॉ आर राजेश कुमार ने कहा कि डेगूं के बढ़ते मामलों को देखते हुए निरीक्षण किया गया है। मरीजों के लिए 100 वैड रिर्जव रखे गये हैं। डेंगू के गंभीर मरीजों के मुकाबले सामान्य मरीजों की संख्या ज्यादा है। जरूरत पढ़ने पर अस्पताल में बैडों की संख्या बढ़ाई जायेगी। उन्होंने आम जनमानस से डेंगू को लेकर सर्तक और जागरूक रहने की अपील की। आने वाले समय में जरूरत के अनुसार संख्या बढ़ाई जायेगी। हमारा प्रयास है कि मरीज को समय पर प्लेटलेट्स उपलब्ध हो जाये।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा डेंगू मरीजों से इलाज के नाम पर मनमानी फीस या प्लेटलेट्स व जैंबो पैक की अधिक वसूलने वाले अस्पतालों, ब्लड बैंको और पैथोलॉजी लैबों की शिकायत सामने आने पर कार्रवाई की जायेगी। कालाबाजारी वालों को छोड़ा नहीं जायेगा। सीएमओ के स्तर से रेट का निर्धारण किया गया है। स्वास्थ्य सचिव ने कहा मिलावट खोरी को लेकर राज्यभर में अभियान चलाया जा रहा है। मोबाइन वैन के आ जाने से इस प्रक्रिया को गति मिली है। अभी विभाग के पास दो मोबाइल बैन है। जिनसे हम मौके पर जाकर खाध पदार्थों की शिकायत आने पर जांच करते हैं। जल्द ही 10 और मोबाइल वैन आ जायेंगी। जिसके बाद मिलावट खोरी रोकने में तेजी आयेगी।

EVMS & VVPAT की प्रथम स्तरीय जांच 1 से 12 सितंबर तक होगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 अगस्त , लोक सभा के आगामी सामान्य निर्वाचन हेतु राज्य के सभी जनपदों (जनपद बागेश्वर को छोड़कर) में EVMs & VVPATS की प्रथम स्तरीय जांच के संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ वी षणमुगम की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आहूत की गयी।

बैठक में सर्वप्रथम मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों को अवगत कराया कि राज्य के सभी जनपदों (जनपद बागेश्वर को छोड़कर) में दिनांक 01 सितम्बर, 2023 से 12 सितम्बर 2023 के मध्य EVMS & VVPAT की प्रथम स्तरीय जांच First Level Checking (FLC) सम्पादित की जायेगी। इसमें सम्पूर्ण प्रक्रिया के दौरान FLC कार्य के पर्यवेक्षण / अनुश्रवण हेतु अपने जनपद स्तरीय पदाधिकारियों / प्रतिनिधि को नियुक्त करने का कष्ट करें। अवगत कराया गया कि जनपद के प्रत्येक EVMS & VVPATS वेयरहाउस में FLC कार्य प्रारम्भ होने के दिनांक से कम से कम एक सेक्शन सशस्त्र सुरक्षा कार्मिकों को 24X7 निर्वाध रूप से निरन्तर व्यवस्था की गयी है। FLC कार्य में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक दल से नामित पदाधिकारियों के साथ-साथ तैनात अधिकारियों / कर्मचारियों तथा

मजदूरों के लिए सक्षम अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित फोटोयुक्त पहचान-पत्र आई.डी. कार्ड निर्गत किये जायेगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा बैठक में प्रतिभाग करने वाले सभी पदाधिकारियों को एफएलसी एवं ईवीएम के रख-रखाव के संबंध में आयोग के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश, मैनुअल, स्टेट्स पेपर तथा लीगल स्टोरी ऑफ ईवीएम की प्रतियां उपलब्ध करायी गयी। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा० वी. पणमुगम, अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री विजय कुमार जोगदण्डे संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नमामि बंसल व श्री प्रताप सिंह शाह तथा इण्डियन नेशनल कांग्रेस से सूर्यकान्त धस्माना, मथुरा दत्त जोशी व अमरजीत सिंह, आम आदमी पार्टी से जोत सिंह बिष्ट सतीश बहुजन समाज पार्टी से प्रमोद कुमार, जय प्रकाश, भारतीय जनता पार्टी से राजीव शर्मा, सजीव विज तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (एम) से अनन्त आकाश आदि द्वारा प्रतिभाग किया गया। ईवीएम के रख-रखाव आदि के संबंध में मस्तू दास, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनैतिक दलों को प्रतिनिधियों के समक्ष ईएमएस सॉफ्टवेयर के संचालन का भी प्रदर्शन किया गया। अन्त में मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों से पुनः जनपदों में आयोजित होने वाली एफ.एल.सी. में अनिवार्यतः प्रतिभाग करने का अनुरोध के साथ धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बैठक का समापन किया गया ।

हॉकी के जादूगर के योगदान को किया याद

कोटद्वार। जिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हॉकी के जादूगर स्व. मेजर ध्यानचंद के योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई साथ ही क्षेत्र के तीन उदीयमान खिलाडियों को सम्मानित किया गया। पार्टी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि विश्वपटल पर भारतीय हॉकी को स्वर्णिम सफलता दिलाने में मेजर ध्यानचंद की अहम भूमिका रही है। ओलंपिक सहित अन्य खेलों के विश्व आयोजनों में उन्होंने भारत को आठ स्वर्ण पदक सहित कुल ग्यारह पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हॉकी में देश को अभूतपूर्व सफलताएं दिलाने पर तत्कालीन सरकार ने उनके जन्म दिन को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। मौके पर प्रदेश सरकार की ओर से खेल छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले क्षेत्र के उदीयमान खिलाडियों कु. सोनाली, कुशाग्र रावत और अभिनव सिंह असवाल को ट्राफी व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही छात्रों को खेलों के लिए प्रोत्साहित करने पर शारीरिक शिक्षक सुरेश सिंह और सतपाल असवाल को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह रावत, जिलाध्यक्ष विनोद डबराल, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल, महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधा असवाल, ओम प्रकाश कोटला, रंजना रावत, अमितराज सिंह, रूपेंद्र सिंह और गुड्डू चौहान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

नैनीताल पहुंची यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

नैनीताल। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मंगलवार को नैनीताल पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने नगर के विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया। इससे पूर्व उनका राजभवन नैनीताल में स्वागत किया गया। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन इन दिनों निजि दौरे पर नैनीताल पहुंचीं हैं। मंगलवार सुबह वह नैनीताल के राजभवन पहुंची। इसके बाद उन्होंने मल्लीताल स्थित वैलकम हैरीटेज एशडेल होटल में कुमाउनी व गुजराती भोजन का आनंद लिया। जहां होटल के महाप्रबंधक पवन उपाध्याय समेत अन्य कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कुछ समय बोट हाउस क्लब में बिताया। जहां से वह कपड़ा कारोबारी रामलाल एंड ब्रोस के प्रतिष्ठान पहुंची। जहां उन्होंने हाथ से तैयार किए वस्त्र खरीदे। इसके बाद उन्होंने नैनी झील व मालरोड आदि स्थानों का भ्रमण कर सरोवर नगरी की खूब प्रशंसा की।

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष में रक्तदान शिविर का आयोजन

हरिद्वार। गुरुकुल कांगड़ी विवि में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के जादूगर मेजर ध्यान चंद की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। ब्लड बैंक की नोडल अधिकारी डॉ. निशात अंजुम ने बताया कि शिविर में पचास लोगों ने रक्तदान किया। विवि के स्वास्थ्य विभाग की ओर से शिविर लगा। डॉ. अजय मलिक, पियूष जैन, विशाल, प्रवीण बालियान, वंश शर्मा, अभय प्रताप, नीरज यादव, अक्षय, कमल यादव, प्रिंस कुमार, तनु चौहान, हिमांशु आदि ने रक्तदान किया। इस दौरान डॉ. निशात अंजुम, डॉ. तनवीर, अंजुम रानी, अफजल, हिमांशु, विनीत, अभिषेक, राजेश, शुभम सैनी, कंचन गुसाईं, जावेद आलम, सन्नी, अमित आदि मौजूद रहे।

जो कार्य किए है उन्हें विभाग के पोर्टल पर अपलोड करें अधिकारी: सचिव

हरिद्वार। सहकारिता सचिव पुरुषोत्तम सिंह ने कहा कि जिले के अधिकारी कार्यक्षेत्र में जाने की साप्ताहिक सूची तैयार कर लें। जिससे केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा समस्यायों का समाधान किया जा सके। मंगलवार को विकास भवन सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक में सचिव ने जरूरी निर्देश दिए। किए गए कामों को विभाग के पोर्टल पर अपलोड करने को कहा। सहकारिता सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के आदेश पर वह जिलों में जाकर सरकार की योजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं। जिससे जमीनी स्तर पर पता चल सके कि लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुंच रही है या नहीं। सहकारिता सचिव ने कहा कि डीएम धीराज सिंह गब्याल और सीडीओ प्रतीक जैन झारू और कर्मठ अधिकारी हैं।

मेजर ध्यानचंद को याद किया

कोटद्वार। मंगलवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर भाबर क्षेत्र के पदमपुर मोटाढ़ाक स्थित रोहित अग्रवाल सरस्वती विद्यामंदिर इंटर कॉलेज में हॉकी के जादूगर के नाम से अलंकृत स्व. मेजर ध्यानचंद को याद किया गया और खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विद्यालय के आचार्य मुनीश कुमार ने स्व. मेजर ध्यानचंद के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि,मात्र 16 वर्ष की आयु में वे अपने पिता की प्रेरणा से भारतीय सेना में शामिल हो गए। प्रारंभ से ही हॉकी खेल के प्रति लगाव होने के कारण वे एक प्रसिद्ध खिलाड़ी के रूप में विश्व प्रसिद्ध हुए। उन्होंने भारत की हॉकी टीम से खेलते हुए 1928,1932 औऱ1936 के ओलम्पिक खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया औऱ भारत का नाम विश्वपटल पर रोशन किया। तत्पश्चात आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के अंतर्गत बाल वर्ग बालक की 100 मीटर दौड़,में शौर्य ने पहला, अंकित ने दूसरा और नमन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

वो मुस्लिम राजकुमारी, जो देश की पहली महिला पायलट बनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आबिदा सुल्तान भोपाल रियासत की राजकुमारी थीं. वह देश की एक पहली थीं, जिन्हें विमान उड़ाने के लिए पायलट का लाइसेंस मिला. 28 अगस्त को उनका जन्मदिन था . देश के आजाद होने से कुछ साल पहले ही वह महिला पायलट बन गईं थीं.भोपाल रियासत की इस राजकुमारी का जन्म 28 अगस्त 1913 को हुआ तो मृत्युः 11 मई 2002 में. उन्हें 25 जनवरी 1942 को उड़ान लाइसेंस मिला. उनके पिता हमीदुल्लाह ख़ान भोपाल रियासत के अंतिम नवाब थे. आबिदा बड़ी संतान थी. बहुत कम उम्र में ही उन्होंने ड्राइविंग के अलावा घोड़े, पालतू चीतल जैसे जानवरों की सवारी और शूटिंग कौशल में खुद को एक्सपर्ट कर लिया. उस जमाने में वह बगैर नकाब के कार चलाती थीं.भोपाल रियासत जब तक उनके पिता के पास थी और वह उसका कामकाज देखते थे, तब वह मुस्लिम राजनीति में सक्रिय भूमिका ही अदा नहीं करती थीं बल्कि पिता के कैबिनेट की अध्यक्ष और मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी. आबिदा पोलो और स्क्वेश जैसे खेल खेला करती थीं. 1949 में वह अखिल भारतीय महिला स्क्वैश की चैंपियन रहीं. उन्होंने प्लेन उड़ाना बॉम्बे फ्लाइंग क्लब और कोलकाता फ्लाइंग क्लब से भी सीखा था.

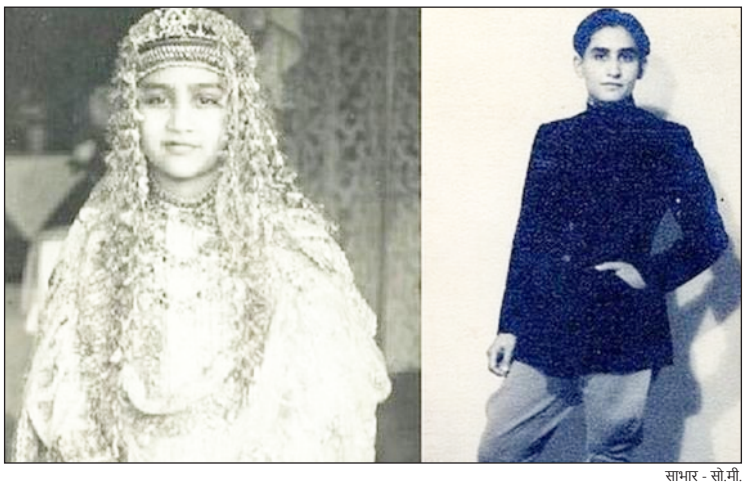

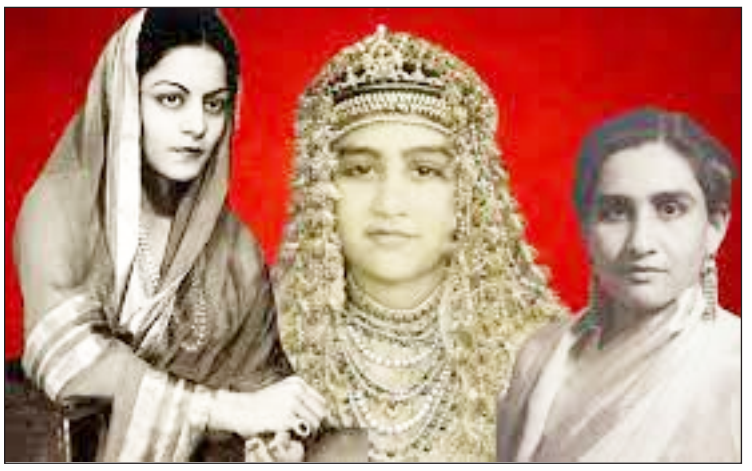

साभार - सो.मी.

बंटवारे के बाद भारत छोड़ दिया

आबिदा का निकाह 18 जून, 1926 को कुरवाई के नवाब सरवर अली ख़ान के साथ हुआ. देश के विभाजन की उथल-पुथल के बाद सन् 1949 में उन्होंने भारत छोड़ दिया. दरअसल वह जिन्ना के संपर्क में थीं, जब उनके पिता ने भारत विलय पर रजामंदी जाहिर करके विलय पत्र पर साइन कर दिया तो उन्होंने इसका विरोध किया. जिन्ना ने आबिदा से वादा किया था कि अगर वो पाकिस्तान आ जाएं तो वह उन्हें वहां की राजनीति से ही नहीं जोड़ेंगे बल्कि उन्हें उस मुल्क में पूरी इज्जत भी मिलेगी.

कराची में शानो शौकत से रहती थीं

पाकिस्तान चली गई. वहां वह कराची में शानदार महलनुमा मकान में रहने लगीं. वहां भी राजनीति में उनकी ना केवल दखल हुई बल्कि पाकिस्तान सरकार में रूतबा मिला था, जिसके उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया. चीन का सरकारी दौरा भी किया. कराची में वह शानो शौकत की जिंदगी जीती थीं.

उनके पिता ने कई बार भारत लौटने को कहा

जब पाकिस्तान में 1960 में मार्शल लॉ लागू हुआ तो उन्होंने जिन्ना की बहन फातिमा के साथ इसका विरोध किया. हालांकि उनके पिता ने भी शुरू में अपनी रियासत को भारत में नहीं मिलने देने के लिए विद्रोही रुख अख्तियार किया था लेकिन बाद में उन्हें भारत में विलय करना पड़ा. वह भारत में ही रहे. अपनी बेटी को भी भारत लौट आने को कहते रहे. लेकिन उन्होंने ये बात नहीं मानी. वह भारत तब लौटीं जब उनके पिता का इंतकाल हुआ. उनके बेटे शहरयार खान पाकिस्तान के विदेश मंत्री भी बने और पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी.

उनके पाकिस्तान जाने पर छोटी बहन बनी थी शासिका

अक्टूबर 2001 तक वह कई बीमारियों से घिर गईं. वह अस्पताल में भर्ती हुईं लेकिन उन्हें बताया नहीं जा सका. चूंकि वह पाकिस्तान जाकर बस गईं थी, इसलिए उनके पिता ने उनकी मंझली बेटी साजिदा सुल्तान को भोपाल का शासक नियुक्त किया. साजिदा बेगम की शादी पटौदी राजघराने के नवाब इफ़्तिख़ार अली ख़ान के साथ हुई थी. मंसूर अली ख़ान पटौदी उनके बेटे थे. बाद में भोपाल रियासत में प्रापर्टी विवाद को लेकर काफी विवाद भी चला. जो अब भी जारी है.

क्या ज्यादा पानी पीने का है वजन कम करने से कोई संबंध ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , आपने कई बार सुना होगा कि अगर आप अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको ज्यादा पानी पीना चाहिए. कई जगह सलाह दी जाती है कि आपको एक दिन में करीब पांच लीटर पानी पीना चाहिए. दावा यहां तक किया जाता है कि पानी कैलोरी जलाने में मदद करता है और भूख को कम कर देता है जिससे शरीर का वजन कम होता है. लेकिन क्या इसका कोई वैज्ञानिक आधार भी है या नहीं क्या वास्तव में ज्यादा पानी पीने से वजन कम हो जाता है या फिर कब कैसे और कितना पानी पीना है कहानी यहां बदल जाती है. और क्या इस विषय पर किसी तरह का कोई अध्ययन भी हुआ है या नहीं?

सबसे पहले तो इस विषय पर किसी तरह का व्यवस्थित और विस्तृत अध्ययन नहीं हुआ है. एस्टन यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ डॉने मेलोर कन्वर्सेशनस में प्रकाशित अपने लेख में इस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताते हैं कि इस तरह के दावों के पुष्ट प्रमाण हासिल नहीं हुए हैं. बल्कि पानी पीने से जुड़े कुछ भ्रांतियां भी हैं जिनसे पता लगता है कि अधिक पानी पीने का वजन कम करने से संबंध नहीं है.

क्या ज्यादा पानी पीने से कैलोरी जलती हैं?

14 युवाओं के एक छोटे अध्ययन में पाया गया कि आधा लीटर पानी पीने से ऊर्जा खपत यानि कसरत से पहले शरीर द्वारा जलाने वाली कैलोरी की मात्रा, करीब 24 फीसदी बढ़ जाती है, लेकिन उसका असर केवल एक घंटे ही रहता है यानि वास्तव में उसका वजन कम करने लिहाज से असर नहीं होता है.

केवल भ्रांति ही है ये

इसी तरह एक अन्य अध्ययन में 8 युवाओं में ऊर्जा खपत में केवल 4 फीसदी इजाफा तब दिखा जब पानी फ्रिज के पानी जितना ठंडा था. क्योंकि शरीर पानी के तापमान को सामान्य करने में ऊर्जा लगा रहा था. लेकिन यह भी वजन कम करने लिए प्रभावी नहीं था. यानि साफ है कि अधिक पानी पीने का कैलोरी जलाने से संबंध एक भ्रांति है.

साभार - सो.मी.

उत्तराखंड : ट्रैफिक रूल्स तोड़ने में टॉप पर हैं देहरादून, दूसरे नंबर पर हरिद्वार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 30 अगस्त : ट्रैफिक नियम लोगों की सुरक्षा के लिए बने हैं, लेकिन लोग आज भी इनका पालन करने से कतराते हैं। नतीजतन, उत्तराखंड की छवि ऐसे राज्य की बन गई है, जहां सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। ट्रैफिक नियमों की बात करें तो मैदानी जिलों में जहां लोग ट्रैफिक रूल्स तोड़ने में सबसे आगे हैं, तो वहीं पहाड़ी जिलों में लोग इन्हें अब भी गंभीरता से लेते हैं।

परिवहन विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा संभाग में यातायात नियमों को तोड़ने पर वाहन चालकों पर की गई चालानी कार्रवाई के अध्ययन में पता चला कि दून संभाग में देहरादून वासी ट्रैफिक रूल्स तोड़ने में टॉप पर हैं। इसके बाद हरिद्वार का नंबर आता है। जबकि उत्तरकाशी और टिहरी के बाशिंदे नियमों का पालन करने को लेकर जागरूक हैं।

इस साल जनवरी से जुलाई तक परिवहन विभाग ने 49294 चालान किए हैं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में 29941 चालान हुए थे। ये हाल तब है जबकि पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार ट्रैफिक जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। फिर भी ट्रैफिक रूल्स तोड़ने के मामले 64 फीसदी तक बढ़े हैं। देहरादून जिले में इस साल जनवरी से अब तक 13886 वाहन चालकों के चालान किए गए। जबकि, उत्तरकाशी में 2302 और टिहरी में 1628 चालान हुए हैं। दून संभाग में 10,422 लोगों के चालान हेलमेट नहीं पहनने पर हुए हैं। पिछले साल इस अवधि में ये आंकड़ा महज 2748 था। ओवरस्पीड में 5000 से ज्यादा चालान हुए हैं।

इसके अलावा दुर्घटना के कारकों जैसे ओवर स्पीड, ओवर लोडिंग, रेड लाइट जंप, नशे का सेवन कर वाहन चलाने और गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने जैसे कारकों में भी लोगों के चालान किए गए। प्रवर्तन दल के पास सचल दल, इंट-रसेप्टर दल और बाइक स्क्वॉयड है, जो कि ट्रैफिक रूल्स तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। आरटीओ प्रवर्तन शैलेश तिवारी ने बताया कि यातायात नियम तोड़ने वालों पर प्रवर्तन दल लगातार कार्रवाई कर रहा है। ओवरस्पीडिंग के मामलों में भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

वैश्य कुमार सभा के चुनाव में अक्षय गोयल को सबसे अधिक वोट

हरिद्वार। कनखल वैश्य कुमार सभा में कार्यकारिणी गठन के लिए सदस्य सेवक मंडल का त्रिवार्षिक चुनाव हुआ। चुनाव में सभा के कुल 766 मतदाताओं में 611 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। सदस्य चुनाव में मतगणना के बाद सबसे ज्यादा 437 वोट प्राप्त कर अक्षय गोयल प्रथम स्थान पर रहे। चुनाव में 16 सदस्यीय सेवक मंडल चुनने के लिए कुल 26 उम्मीदवार मैदान में थे। चुने गए सदस्यों की ओर से अध्यक्ष और महामंत्री समेत अन्य पदाधिकारियों का चयन किया जाएगा। सोमवार को वैश्य कुमार सभा के चुनाव के मतदान के बार रात 11 बजे तक 31 राउंड वोटों की गिनती की गई। गिनती के बाद 16 सेवक मंडल सदस्य निर्वाचित हुए। शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने के बाद जिला प्रशासन की ओर से तैनात किए गए जिले के दो अधिकारियों ने बतौर पर्यवेक्षक देर रात 16 सदस्यों को विजयी घोषित किया। चुनाव में 400 वोट प्राप्त कर गगन दूसरे स्थान पर रहे। 394 वोट प्राप्त कर ऋषभ गोयल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मंगलवार को चुनाव संयोजक मुकेश मोदी ने बताया कि चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए। जिले के दो अधिकारियों प्रशांत कुमार और कर्मपाल सैनी को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था।

यह निर्वाचित हुए सदस्य- अक्षय गोयल, गगन गुप्ता, ऋषभ गोयल, अजय गोयल, आशीष बंसल, ईशांक सिंघल, दीपक बंसल, नमित गोयल, प्रतीक गुप्ता, प्रदीप गुप्ता, योगेश कुमार आर्य, रचित अग्रवाल, शैलेश कुमार, संजीव कुमार अग्रवाल, संजय गुप्ता, समीर गुप्ता। यह रहे चुनाव अधिकारीः सभा के चुनाव अधिकारी पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रदीप चौधरी, पराग गुप्ता, अरविंद अग्रवाल, निश्चल गुप्ता, अवनीश गोयल, उमेश गोयल, मुकेश गोयल, अरविंद अग्रवाल आदि ने मतगणना संपन्न कराई। साथ ही प्रदीप गर्ग, सुनील अग्रवाल, प्रमथेश अग्रवाल ने चुनाव अधिकारियों को मतगणना में सहयोग दिया।

सदस्यों को दी शुभकामनाः मतगणना के दौरान पार्षद नितिन, पार्षद शुभम मैंदोला, पार्षद मन्नू सैनी, तीर्थ पुरोहित समाज के रोहित तुम्बडिया और व्यवसाई मयंक गुप्ता, दीपक मणि गुप्ता आदि ने निर्वाचित सदस्यों को फूलमालाएं और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

अतिक्रमण पर गरजा नगर आयुक्त मनुज गोयल का बुलडोज़र

मुख्यमंत्री धामी के मिशन क्लीन को रफ़्तार दी

मनुज गोयल, नगर आयुक्त, देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 अगस्त , देहरादून को स्मार्ट बनाने में जुटे स्मार्ट सिटी के स्मार्ट ऑफिसर्स लगातार अभियान चलाकर अवैध कब्ज़ों को मुक्त करा रहे हैं अब इसी कड़ी में एक बार फिर नगर आयुक्त मनुज गोयल के निर्देश पर नगर निगम की टीम जे सी बी के साथ कारगी ग्रांट निशान शोरूम के पीछे और वहां पर नगर निगम की भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए नगर निगम की भूमि में अतिक्रमण-कारियों द्वारा बनाये गये कच्चे मकान को ध्वस्त करते हुए 1250 वर्ग मीटर भूमि को कब्जा मुक्त करते हुए नगर निगम के स्वामित्व की भूमि होने का बोर्ड लगाया गया। टीम मे दीपेन्द्र बमोला कर निरिक्षक , प्रवीन कठैत कर निरीक्षक, साहित निगम के अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों का दैनिक भोजन भत्ता 230 रुपये बढ़ाया

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने खेल दिवस पर मुख्यमंत्री खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना का शुभारंभ किया। योजना में जिला स्तर पर 14 से 23 साल के 200 खिलाडियों को सरकार दो हजार रुपये महीना प्रोत्साहन राशि देगी। उन्हें दस हजार रुपये सालाना खेल किट के लिए भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने खिलाडियों के दैनिक भोजन भत्ते में 230 रुपये की भी बढ़ोतरी की है। साथ ही महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून में 200 और हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज पिथौरागढ़ में 50 बेड के खेल छात्रावास की घोषणा की। मेजर ध्यान चंद की जयंती पर खेल दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में मुख्यमंत्री धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या ने राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के पदक विजेता खिलाडियों को प्रोत्साहन राशि के चैक बांटे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खिलाडियों के सामथ्य का भी सम्मान हो रहा है। खेल से लेकर अंतरिक्ष हर क्षेत्र में देश आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिए नई खेल नीति बनाई, इसमें कई प्रावधान किए गए हैं। 2022 से लागू मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना से प्रदेश में 3900 खिलाड़ी लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब खिलाडियों के दैनिक भोजन भत्ते को भी 250 रुपये से बढ़ाकर 480 रुपये किया जा रहा है। इसी प्रकार जो खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग के लिए जाएंगे उन्हें साधारण बस और स्लीपर रेल की जगह, एसी बस और एसी ट्रेन में सफर की सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक खजानदास, विशेष प्रमुख सचिव खेल अभिनव कुमार, खेल निदेशक जितेंद्र सोनकर, प्रभारी जिला क्रीड़ा अधिकारी निधि बिंजोला आदि मौजूद रहे।

खो जाए ट्रेन की टिकट तो क्या कहते हैं रेलवे के नियम ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , किसी भी ट्रेन में यात्रा करने के लिए आपके पास वैध टिकट का होना जरूरी है. रेल ही नहीं रेलवे प्लेटफॉर्म पर भी आप बिना यात्रा टिकट या प्लेटफॉर्म टिकट के नहीं जा सकते. रेलवे प्लेटफॉर्म या रेल में बिना टिकट पकड़ने जाने पर भारी जुर्माना वसूला जाता है. कई बार ऐसा भी होता है कि एक व्यक्ति टिकट लेता है, लेकिन वो गुम हो जाता है. टिकट गुम होना (Train Ticket Lost) यात्री को काफी टेंशन देता है. वह उलझन में फंस जाता है. नियमों की जानकारी न होने के चलते वह नहीं जानता कि टिकट घर भूल आने या रिजर्वेशन टिकट खो जाने पर वह ट्रेन में यात्रा कर सकता है या नहीं. अगर वह ट्रेन में सवार हो गया तो क्या उसे जुर्माना देना होगा ?

वैसे सफर दौरान ट्रेन टिकट खो जाने पर किसी भी यात्री को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है. टिकट गुम होने पर आप डुप्लीकेट टिकट बनवाकर यात्रा कर सकता है. अलग-अलग श्रेणी के लिए डुप्लीकेट टिकट बनवाने के नियम और फीस अलग-अलग हैं. यात्री ट्रेन में टीटीई के पास जाकर डुप्लीकेट टिकट (Duplicate Rail Ticket) बनवा सकता है. यही नहीं यात्री टिकट काउंटर पर जाकर भी डुप्लीकेट टिकट प्राप्त कर सकता है.

भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट indianrail.gov.in के अनुसार, डुप्लीकेट टिकट लेने के लिए आपको कुछ शुल्क का भुगतान करना होगा. सेकेंड और स्लीपर क्लास के लिए डुप्लीकेट टिकट बनवाने के लिए 50 रुपये देने होते हैं. इनसे ऊपर की श्रेणी के लिए के डुप्लीकेट टिकट बनवाने के लिए आपको 100 रुपये फीस देनी होगी. अगर रिजर्वेशन चार्ट बनने के बाद कंफर्म टिकट गुम हो जाता है तो किराये का 50 फीसदी भुगतान डुप्लीकेट टिकट बनवाने के लिए आपको करना पड़ेगा. अगर आपका खोया ओरिजिनल टिकट मिल जाता है तो आप दोनों टिकटों को ट्रेन छूटने से पहले रेलवे काउंटर पर दिखाकर डुप्लीकेट टिकट के लिए चुकाए वापस ले सकते हैं.

उत्तराखंड : अब ऋषिकेश से बदरीनाथ के लिए चलेगी हाईटेक वॉल्वो बस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 30 अगस्त : केंद्र और राज्य सरकार चारधाम यात्रा को सुखद बनाने के लिए बड़ी परियोजनाओं पर काम कर रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार चारधाम यात्रा मार्ग पर वोल्वो बसें चलाने की तैयारी कर रही है, ताकि श्रद्धालुओं के सफर को सुविधाजनक बनाया जा सके। योजना के तहत ऋषिकेश से जोशीमठ तक वॉल्वो बसें चलाई जानी है। सब कुछ ठीक रहा तो जल्द ही श्रद्धालु ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर हाईटेक सुविधाओं से लैस बसों के सफर का आनंद ले सकेंगे। हाईवे पर खाली पड़ी जगहों पर ढाबे और मॉल आदि बनाए जाएंगे, जिससे क्षेत्रीय युवाओं को रोजगार मिलेगा।

इस संबंध में लोक निर्माण और परिवहन विभाग ने ऋषिकेश से लेकर जोशीमठ तक का सर्वे कर लिया है, इसकी रिपोर्ट शासन को भेज दी गई है। केंद्र सरकार ने लोक निर्माण विभाग को राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर खाली पड़ी जगहों को चिन्हित करने को भी कहा है, ताकि यहां पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्टोरेंट आदि बनाए जा सकें। इससे यात्रियों को तो फायदा होगा ही, स्थानीय युवा भी रोजगार पा सकेंगे। श्रीनगर से ऋषिकेश तक हाईवे का ध्यान रखने वाली संस्था लोक निर्माण विभाग एनएच खंड इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। विभाग की ओर से ऐसी 15 साइट की लोकेशन केंद्रीय परिवहन मंत्रालय को भेजी गई है,

जहां पर यात्रियों के लिए सुविधाएं विकसित की जा सकती हैं। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता बीएल द्विवेदी ने योजना के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते जून महीने में राज्य सरकार ने आधुनिक बसों के संचालन के लिए परिवहन विभाग और लोक निर्माण विभाग को सर्वे करने के आदेश दिए थे। सर्वे के दौरान दो जगहों तोता घाटी और देवप्रयाग में बसों के संचालन में दिक्कत आ रही थी, इस समस्या को दूर करने के लिए देवप्रयाग में पुल बनाया जा रहा है, तोता घाटी में भी समस्या का हल निकाल लिया गया है। चारधाम यात्री इस रूट पर जल्द ही हाईटेक बसों में सफर का आनंद ले सकेंगे।

उत्तराखंड : इस मंदिर के सिर्फ रक्षाबंधन के दिन खुलते हैं कपाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चमोली 30 अगस्त : उत्तराखंड का ज़िक्र हो और उसके मंदिरों का ज़िक्र न हो, यह तो मुमकिन नहीं है। उत्तराखंड के मंदिर अपने अंदर रहस्य और अपनी एक अलग कहानी छिपाए हैं। हर किसी की अपनी अलग कहानी है। भारत के प्राचीन इतिहास में कई ऐसे रोचक बातें छिपी हुई हैं, जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। हम समय-समय पर आपतक ऐसे मंदिरों से जुड़ी खबरें पहुंचते रहते हैं। आज हम आपके लिए एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो कि साल में सिर्फ एक बार यानी कि रक्षाबंधन के दिन खुलता है और यह मंदिर 1 दिन खुलने पर भक्तों से घिरा रहता है। यह उत्तराखंड का एक ऐसा मंदिर है, जिसको लेकर कहा जाता है कि यहां के कपाट केवल और केवल रक्षाबंधन के दिन ही खुलते हैं।हम बात कर रहे हैं उत्तराखंड के चमोली जिले की उर्गम घाटी पर मौजूद बंसीनारायण मंदिर की। कहते हैं कि इस मंदिर के कपाट पूरे साल बंद रहते हैं, लेकिन केवल एक दिन यानी रक्षाबंधन के दिन ही खोले जाते हैं। रीती रिवाजों के अनुसार, यहां की महिलाएं और लड़कियां भाईयों को राखी बांधने से पहले भगवान की पूजा करती हैं। ऐसा कहते हैं कि यहां भगवान श्री कृष्ण और शिव जी की प्रतिमा स्थापित हैं। इस मंदिर से जुड़ी एक प्राचीन कहानी भी है। मान्यता है कि विष्णु अपने वामन अवतार से मुक्त होने के बाद सबसे पहले यही प्रकट हुए थे। इसके बाद से ही यहां देव ऋषि नारद भगवान नारायण की पूजा की जाती है। इसी वजह से यहां पर लोगों को सिर्फ एक दिन ही पूजा करने का अधिकार मिला हुआ है। यह उत्तराखंड का एकमात्र मंदिर है जो साल में एक बार रक्षा बंधन के दिन खुलता है।

महान शायर फिराक का नेहरू से था खास रिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , 20वीं सदी के सबसे चर्चित शायर फिराक गोरखपुरी की इस हफ्ते जयंती मनाई गयी। जिंदगी के दर्द को अपनी शायरी में उतारने वाले फिराक गोरखपुरी उर्फ रघुपति सहाय को जयंती पर जमाना याद कर रहा है। जन्म दिन पर बेशक कोई समारोह या आयोजन नहीं है, लेकिन फिराक साहब आज भी अपनी शानदार शायरी के जरिये लोगों के जेहन में जिंदा हैं।

उन्हें दुनिया से रुख़सत हुए 40 बरस से अधिक हो चुके हैं, लेकिन उनके शेर-ओ-शायरी आज भी उतनी ही मौजूं है, जितनी पुराने दौर में थी। 'आने वाली नस्लें तुम पर रश्क करेंगी हमअस्रों, जब ये ख्याल आएगा उनको, तुमने फ़िराक़ को देखा था' यह शेर फिराक साहब ने अपने लिए लिखा था और कितना सच है। हम फिराक गोरखपुरी की जयंती पर बता रहे हैं कि उनसे जुड़े रोचक किस्से, यादें और कहानियां...

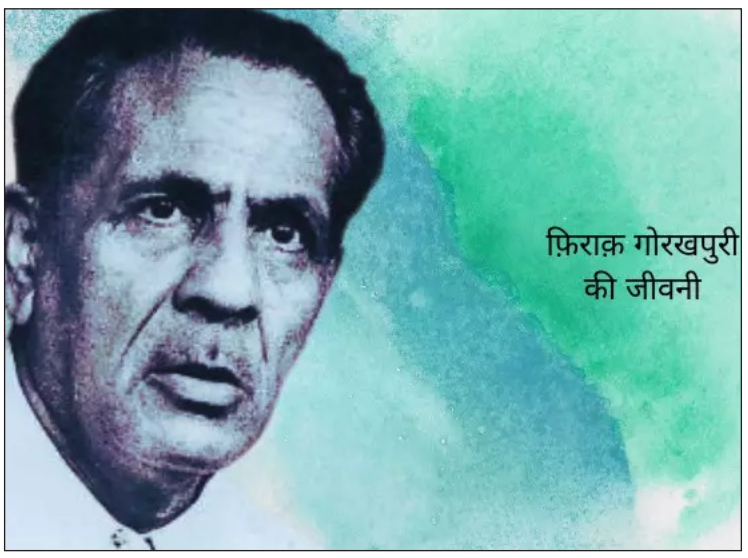

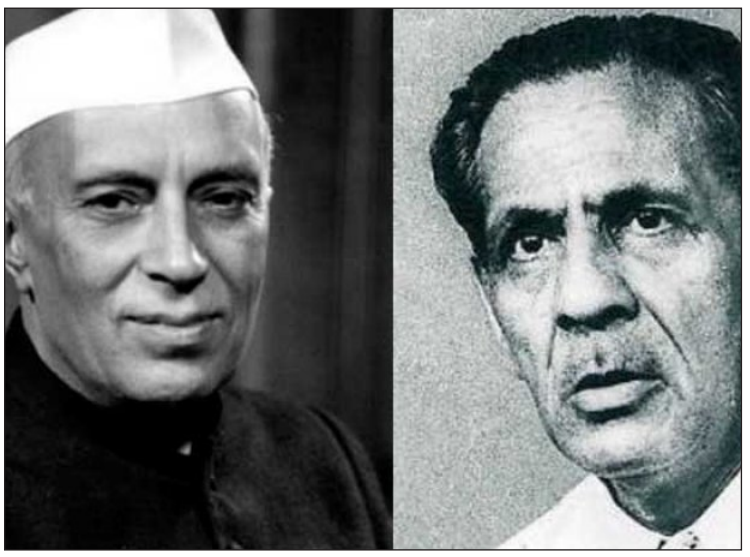

माहौल ने बना दिया मुकम्मल

28 अगस्त, 1896 को गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) में जन्में रघुपति सहाय उर्फ फिराक गोरखपुरी को शायरी विरासत में मिली। पिता मुंशी गोरख प्रसाद पेशे से वकील थे, लेकिन शायरी भी अच्छी लिख लेते थे। यह वह दौर था जब उर्दू अदब को खासा पसंद किया जाता था। उर्दू जुबान उस दौर में वह रुतबा हासिल कर चुकी थी, जो जुबान से निकलकर सामने वाले के दिलों में उतर जाती थी। खैर, पिता को शायरी लिखते और पढ़ते देखकर रघुपति सहाय का मन भी शेर-ओ-शायरी में खूब रमता था। फिर क्या था माहौल और घर में ही गुरु मिला तो शायरी में फिराक साहब चटख रंग भरते रहे और आज के दिन जमाना अपने पसंदीदा शायर को याद कर रहा है।

फिराक ने दिलीप कुमार को पहचानने से कर दिया था इन्कार

ट्रैजेडी किंग के नाम से मशहूर दिलीप कुमार का बॉलीवुड में जलवा था और इधर फिराक गोरखपुरी भी शायरी की दुनिया के चमकते सितारे बन चुके थे। साल 1960 के किसी महीने की बात है। मुंबई में एक बड़ा जलसा था, जिसमें एक्टर दिलीप कुमार को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया गया था। फिराक साहब पहले से बैठे थे। इस बीच दिलीप कुमार साहब आ गए तो महफिल में हलचल मच गई। सब लोग खड़े हो गए, लेकिन फिराक गोरखपुरी अपनी जगह पर बैठे रहे।

... जब दिलीप को फिराक ने लगा लिया गले

दिलीप कुमार खुद उनके पास गए तो उन्होंने कहा- आप कौन? दिलीप साहब ने भी बड़ी ही विनम्रता से अपना परिचय दिया, बावजूद इसके कि वह यह भी जानते थे कि फिराक को उनके बारे में बखूबी जानकारी है। दिलीप साहब की उर्दू जुबान अच्छी थी और उन्होंने सामने बैठे शायर फिराक गोरखपुरी की जमकर तारीफ की। इस पर फिराक साहब खड़े हुए और उन्होंने दिलीप कुमार को गले लगा लिया।

क्या आप भी बिस्तर पर रखकर चार्ज करते हैं मोबाइल फोन ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , आज के समय में इंसान की लाइफ का सबसे इम्पोर्टेन्ट हिस्सा मोबाइल फोन बन गया है. हर किसी के पास कुछ हो ना हो, स्मार्ट फोन जरूर होता है. लोगों को इसकी ऐसी लत लग गई है कि जागने से लेकर सोने तक ये उनके हाथ में ही दिखाई देता है. अक्सर लोग रात को सोते हुए मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं. कई लोग बैटरी डिस्चार्ज होने पर उसे चार्जिंग में लगाकर ही सो भी जाते हैं. हालाँकि, ऐसा करने से अक्सर मना किया जाता है. इसकी वजह भी बताई जा चुकी है.

कई मोबाइल कंपनियों ने लोगों को रात को फोन को खुद से दूर रखकर सोने की सलाह दी है. इसकी वजह साफ़ है. मोबाइल से ऐसे रेडिएशन निकलते हैं, जो इंसान के हेल्थ के लिए घातक होते हैं. लेकिन लोग कहां मानने वाले हैं. वो ना सिर्फ फोन को अपने पास रखकर सोते हैं, बल्कि इसे अपने सिर के पास ही चार्ज भी करते हैं. मोबाइल फोन को बिस्तर पर चार्ज करने का नतीजा दिखाता एक वीडियो सोशल मीडिया पर हाल ही में शेयर किया गया.

बिस्तर पर रखकर किया था चार्ज

इस वीडियो में मोबाइल को बिस्तर पर रखकर चार्ज करने का अंजाम दिखाया गया. इसमें देख सकते हैं कि गद्दे में एक गहरा छेद हो गया है, जिसके अंदर मोबाइल गिरा हुआ है. मोबाइल को गद्दे पर ही रखकर चार्ज किया जा रहा था. लेकिन वो इतना ज्यादा हीट हो गया कि धीरे धीरे गद्दे को ही गला डाला. इसकी वजह से फोन गद्दे के अंदर छेद कर समा गया. गद्दे की हालत देख अंदाजा लगाया जा सकता है फोन कितना ओवरहीट हो गया होगा कि गद्दे का ऐसा हाल हो गया.

कभी ना करें ये गलती

लोगों को हमेशा सलाह दी जाती है कि कभी भी मोबाइल को चार्जिंग पर लगाकर नहीं सोना चाहिए. इसके बाद भी लोग ये गलती कर बैठते हैं. इसका नतीजा होता है कि ऐसे मामले सामने आते हैं जिसमें मोबाइल में ब्लास्ट हो जाता है. कई बार ऐसे मामलों में लोगों को गहरी चोट लग जाती है. हालांकि, इस वीडियो में किसी को चोट तो नहीं लगी लेकिन मोबाइल की गर्मी के कारण बिस्तर की हालत ने सबको दंग कर दिया. मोबाइल ने गद्दे को अंदर तक जला दिया. वीडियो देखने के बाद कई लोगों ने इसे सस्ते चार्जर और फोन को जिम्मेदार ठहराया वहीं कई ने आगे से करने की सलाह दी. फोन को हमेशा लकड़ी पर रखकर चार्ज करना चाहिए. इससे ऐसे हादसे नहीं होंगे.

एक ऐसी स्कीम जो लोगों के बीच काफी पॉपुलर है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , हर व्यक्ति अपनी आमदनी में से कुछ न कुछ बचत कर अपने भविष्य को सुरक्षित करना चाहता है। लोगों के इन्हीं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भारतीय डाक विभाग कई सेविंग स्कीम चला रहा है, जिसमें लोगों को काफी फायदा भी हो रहा है। इनमें से कई ऐसी स्कीम है जो लोगों के बीच काफी पॉपुलर है।पोस्ट ऑफिस की इन्हीं स्कीमों में से एक है किसान विकास पत्र , यह एक स्मॉल सेविंग स्कीम है। यह छोटे से लेकर बड़े निवेशकों तक के लिए है। इस स्कीम के तरह पोस्ट ऑफिस बढ़िया रिटर्न दे रहा है और निवशकों इन्वेस्टमेंट पर जबरदस्त मुनाफा भी मिल रहा है। यह पोस्ट ऑफिस की ये सबसे फायदेमंद और रिटर्न देने वाले स्कीम्स में से एक है।भारतीय डाक विभाग की यह एक ऐसी स्कीम है जिसमें निवेशक का पैसा एक निश्चित समय बाद दोगुना हो जाता है। इस स्कीम में निवेश को 7 फीसदी से ज्यादा की दर ब्याज मिल रहा है। इसमें राशि 9 साल 7 महीने यानी 115 महीने में निवेश डबल हो जाता है।

दरअसल इस स्कीम में इनवेस्टमेंट पर कंपाउंड इंटरेस्ट के हिसाब से ब्याज कैलकुलेट किया जाता है। इस योजना में अगर आप 5 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो यह एक निश्चित समय के बाद 10 लाख रुपये हो जाता है। इस स्कीम में निवेश की न्यूनतम सीमा 1000 रुपये है जबकि अधिकतम सीमा तय नहीं है। किसान विकास पत्र में आप अपनी क्षमता के मुताबिक 1000 रुपये से ऊपर कुछ भी निवेश कर सकते हैं। कोई भी भारतीय किसान विकास पत्र योजना में निवेश कर सकता है। इसके तहत 10 साल से कम उम्र के बच्चों का खाता माता-पिता खुलवा सकते हैं और वो माता-पिता में से कोई भी व्यक्ति नॉमिनी हो सकता है।

क्या आपको भी आती है अनजान नंबर से कॉल ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 30 अगस्त , आजकल ऑनलाइन ठगी का मामला बढ़ गए हैं। कई बार ठगी करने वाले, लोगों के पास कॉल करके उन्हें अपने चंगुल में फंसा लेते हैं और उनसे लाखों रुपये लूट लेते हैं। ऐसे में हर किसी के लिए ये बेहद ही महत्वपूर्ण हो जाता है कि वे अनजान नंबर को रिसीव न करें। हालांकि, कई बार अपने लोग भी न्यू नंबर से कॉल कर देते हैं। ऐसे में नए नंबर को पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसके बाद आप आसानी से अनजान नंबर से कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम पता कर सकते हैं।

साभार - सो.मी.

1. ऐप को इंस्टॉल करें

गूगल प्ले स्टोर पर कुछ ऐसे ऐप्स मौजूद है, जिससे आप डाउनलोड करके आसानी से अनजान नंबर से कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम जान सकते हैं। सबसे पॉपुलर ऐप में से एक ट्रूकॉलर है, जिसे 100 करोड़ से भी अधिक लोगों ने डाउनलोड किया है। आप इस ऐप की मदद से अनजान नंबर से कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम पता कर सकते हैं। ट्रुकॉलर जैसा ही प्ले स्टोर पर कई अन्य ऐसे ऐप्स मौजूद हैं, जिसमें Trap-Call, Spokeo का BeenVerified नाम शामिल है। आप इन ऐप की मदद से भी अनजान नंबर का पता लगा सकते हैं।

2. कंपनी से संपर्क करें

अगर आपके पास किसी अनजान नंबर से कॉल से कॉल आ रही है और वह व्यक्ति आपको परेशान कर रहा है, तो आप टेलीकॉम कंपनियों से संपर्क कर सकते हैं। संभावना है कि टेलीकॉम कंपनियां इस स्थिती में आपकी मदद कर सकती है।

3. वेबसाइट की माध्यम से पता करें

अगर अनजान नंबर का पता लगाने के लिए ऐप इंस्टॉल नहीं करना चाहते हैं तो आप कुछ वेबसाइट की मदद से भी अनजान नंबर से कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम पता कर सकते हैं। वेबसाइट की लिस्ट में ट्रूकॉलर की साइट शामिल है। वेबसाइटों के माध्यम से मैन्युअल रूप से फोन नंबर खोजने का विकल्प चुना जा सकता है।

दून मेडिकल कालेज में नेत्रदान पखवाड़े की हुई शुरुआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 30 अगस्त , दून मेडिकल कालेज में नेत्रदान पखवाड़े की शुरुआत हुई। पहले दिन हस्ताक्षर अभियान आयोजित किया गया। इसके अलावा एक सेल्फी प्वाइंट भी मेडिकल कालेज में बनाया गया है। जिसकी शुरुआत प्राचार्य डा. आशुतोष सयाना ने की। उन्होंने सभी को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नेत्रदान, महादान है। मृत्यु के बाद नेत्रदान करने वाला एक व्यक्ति चार लोगों को रोशनी दे सकता है। नई तकनीक में अब एक आंख से दो कार्निया प्रत्यारोपित की जा रही हैं।

नेत्र रोग के विभागाध्यक्ष डा. यूसुफ रिजवी ने कहा कि नेशनल प्रोग्राम फार कंट्रोल आफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपी-सीबीवीआइ) के अनुसार, लगभग 10 लाख लोग कार्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित हैं और कार्नियल ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि लोगों के बीच अभी भी इसकी जागरूकता बढ़ाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुशील ओझा ने बताया कि नेत्रदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए हर साल राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दौरान डा. नीरज सारस्वत, डा. दुष्यंत उपाध्याय, डा. हिमानी पाल, डा. गौरव कुमार आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

आत्महत्याओं का कोटा

इस साल 27 अगस्त तक कोटा, राजस्थान के कोचिंग संस्थानों में 23 युवा छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। यह सिलसिला कहीं थमेगा अथवा धीमा होगा, ऐसे आसार नहीं हैं। कोटा के धंधेबाज संस्थान आत्महत्या के केंद्र बन चुके हैं। छात्रों को किसी भी तरह की काउंसलिंग नहीं है और न ही आत्महत्या रोकने के मानसिक उपाय किए गए हैं। गंभीर, प्रेरक भाषण भी नहीं हैं, ताकि मनःस्थिति बदल सके। बेशक राज्य स्तरीय समिति का गठन कर लें या युवा छात्रों के लिए विशेष थाने बना लें, आत्महत्या के बुनियादी कारण घर से ही शुरू होते हैं। पिता को लाखों रुपए का जुगाड़ करना पड़ता है अथवा कर्ज लेना पड़ता है। माता-पिता अपने किशोर बच्चों पर अपने सपने थोपना चाहते हैं। उसी तनाव में घिरा छात्र हॉस्टल में अकेला और बंद महसूस करता है। संस्थान की घरेलू परीक्षाओं में जब वह पिछड़ जाता है या नाकाम रहता है, तो एकमात्र विकल्प आत्महत्या ही मन में उभरता है। सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर ही सुरक्षित करियर नहीं हैं। हमने डॉक्टरों की मंदी प्रैक्टिस देखी है और इंजीनियरों को बेरोजगार देखा है। उनके अलावा, असंख्य ऐसे पेशे हैं, जहां धन और प्रतिष्ठा दोनों ही बेहतर हैं। एक अंधी भेड़चाल ने भी हमारे युवा छात्रों को आत्महंता बना दिया है। कोटा के कोचिंग संस्थानों में आने वाले छात्रों को कमोबेश इतनी जानकारी तो होगी कि सफलता और चयन की दर कितनी है! फिर भी वे इन संस्थानों की तरफ भागे चले जा रहे हैं, तो हम छात्रों को ही दोषी करार देंगे। यदि छात्र डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन पाए, तो जिंदगी समाप्त नहीं होगी। बहरहाल 2020 में भारत में 12,500 से अधिक किशोर छात्रों ने आत्महत्या की। यह आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का है। यकीनन यह बेहद डरावना आंकड़ा है। कोटा के 10 प्रमुख कोचिंग संस्थानों में करीब 2 लाख छात्र प्रवेश लेते हैं। अध्यापकों की संख्या करीब 4000 है। हॉस्टल भी करीब 4000 हैं और पेइंग गेस्ट करीब 40,000 हैं, लेकिन औसतन हररोज 34 छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। इसके कई घरेलू और मनोवैज्ञानिक कारण भी हो सकते हैं। छात्र घर से ही तनाव ढोकर संस्थान तक आता है। संस्थानों की व्यवस्था भी तनावग्रस्त है। दरअसल 16-18 साल का किशोर इतना नहीं सोच सकता कि आत्महत्या के बाद उसके माता-पिता की मनःस्थिति क्या होगी? कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें बेटे-बेटी की आत्महत्या के बाद पिता ने भी जान गंवा दी। इससे किसी भी पक्ष को हासिल क्या हुआ? दरअसल ये कोचिंग संस्थान भी पेशेवर दुकानदारी हैं। वे 10-15 ऐसे छात्रों को प्रवेश देते हैं, जो अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में अच्छे अंकों के साथ सफल हो सकते हैं। उन छात्रों के सचित्र विज्ञापन अखबारों के पहले पन्ने पर छपते हैं, लिहाजा कारोबार फलता-फूलता है। शेष छात्र संस्थानों के मोटे राजस्व के स्रोत होते हैं। वे फेल हो जाते हैं अथवा आत्महत्या कर लेते हैं। यह संपूर्ण व्यवस्था ही असमान और गैर-पेशेवर है। चूंकि बीते दिनों दो छात्रों ने आत्महत्या की है, लिहाजा उसके बाद प्रशासन और सरकार कुछ हरकत में आए हैं। संस्थानों के स्तर पर तय किया गया है कि रविवार को परीक्षा नहीं होगी। हरेक बुधवार को अवकाश रहेगा, ताकि छात्र मौज-मस्ती कर सकें। फिलहाल दो माह तक कोई भी परीक्षा नहीं ली जाएगी। बीती 18 अगस्त को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य स्तरीय समिति की बैठक ली थी।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

नौ चौकी प्रभारी समेत 22 दरोगाओं को बदला

हरिद्वार। एसएसपी अजय सिंह ने नौ चौकी प्रभारी सहित 22 दरोगाओं के कार्यक्षेत्र में फेरबदल किया है। सोमवार की देर रात सूची जारी कर एसएसपी ने बताया कि मंगलौर कस्बा चौकी प्रभारी अकरम अहमद को थाना भगवानपुर, कलियर से नवीन नेगी को कस्बा चौकी प्रभारी मंगलौर, कोतवाली रुड़की से नितिन बिष्ट को प्रभारी चौकी सोत बी रुड़की, गंगनहर कोतवाली से सुभाष चंद्र को प्रभारी चौकी सोत ए रुड़की, धनौरी चौकी प्रभारी प्रदीप राठौर को शांतरशाह चौकी प्रभारी, लालढांग चौकी प्रभारी विनय मोहन को धनौरी चौकी प्रभारी, सुल्तानपुर चौकी प्रभारी मनोज नौटियाल को अमानतगढ़ चौकी प्रभारी, लखनौता चौकी प्रभारी नवीन चौहान को सुल्तानपुर चौकी प्रभारी, पुलिस लाइन से अशोक सिरसवाल को लखनौता चौकी प्रभारी बनाया है। रेल चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक को कोतवाली गंगनहर, बाजार चौकी प्रभारी विकास रावत को रेल चौकी प्रभारी, ज्वालापुर कोतवाली में तैनात महिला दरोगा संदीप भंडारी को बाजार चौकी प्रभारी बनाया गया है।

अमानतगढ़ चौकी प्रभारी समीप पांडे को लालढांग चौकी प्रभारी, एसएसआई लक्सर अंकुर शर्मा को हरकी पैड़ी चौकी प्रभारी, गैस प्लांट चौकी प्रभारी यशवीर नेगी को एसएसआई लक्सर बनाया है। ज्वालापुर कोतवाली से महिपाल सैनी को गैस प्लांट चौकी प्रभारी, हरकी पैड़ी चौकी प्रभारी आनंद मेहरा को एसएसआई बहादराबाद, रानीपुर कोतवाली से मनोज सिरोला को कोतवाली मंगलौर, मंगलौर से अनुरोध व्यास को कोतवाली रानीपुर, पुलिस लाइन से रमेश सैनी को कोतवाली रानीपुर, सिडकुल थाने के एसएसआई शहजाद अली को एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल और भगवानपुर थाने से उपनिरीक्षक विपिन को कोतवाली रुड़की भेजा गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला ने की फांसी लगा खुदकुशी

हरिद्वार। गांव धनपुरा में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार गांव धनपुरा में एक महिला सिम्मी (31) पत्नी आशु पाल ने संदिग्ध परिस्थितियों में कमरे में फांसी लगा ली। परिजनों ने जब महिला को नीचे के कमरों में नहीं देखा तो वह ऊपर वाले कमरे में पहुंचे। महिला छत के पंखे लटक रही थी। महिला को नीचे उतार परिजन उसे आनन फानन में हरिद्वार स्थित निजी अस्पताल में ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला के दो बच्चे है और पति पेट्रोल पंप पर काम करता है। फेरुपुर चौकी प्रभारी अशोक रावत ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है।

क्यों कैसे और कब लग जाती है खड़ी कार में आग, पढ़िए पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 अगस्त : कारों में आग लगने की घटनाएं कोई नई बात नहीं है। अक्सर कारों में आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं। हालांकि कार में आग लगने की घटनाएं सबसे ज्यादा गर्मी के मौसम में होती हैं। लेकिन कभी आपने सोचा है कि वो कौन से कारण होते हैं, जिनकी वजह से कार आग की चपेट में आ जाती है। वहीं अगर कभी कार में आग लग जाए तो उस समय क्या करना चाहिए और इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। जानते हैं।

इन वजहों से लगती है आग

आजकल कार बाजार में नई-नई कार एक्सेसरीज़ आ रही हैं। बाजार में ओरिजिनल के साथ सस्ती और नकली कार एक्सेसरीज़ भी खूब बिक रही हैं। ऐसे में लोग पैसा बचाने के चक्कर में नकली और सस्ती एक्सेसरीज़ अपनी कार में लगवा लेते हैं। इस दौरान ज्यादातर लोग एक गलती और करते हैं। वे अप्रशिक्षित मेकैनिक से एक्सेसरीज अपनी गाड़ी में फिट करवा लेते हैं। ऐसे में कई बार गलत वायरिंग से कार में शॉर्ट सर्किट की वजह से भी आग लग जाती है।

सस्ती सीएनजी किट

कई लोग पैसा बचाने के चक्कर में कार में नकली और सस्ती सीएनजी किट लगवा लेते हैं। हालांकि यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। सस्ती और नकली सीएनजी किट कार में आग लगने का बड़ा कारण बनती है। यदि किसी कार में आग लग जाती है तब कार में लगे इलेक्ट्रिकल यूनिट जाम हो जाते हैं। इससे पावर विंडो, सीट बेल्ट और सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम भी फेल हो जाते हैं, जिसकी वजह से कार में बैठे लोगों को बाहर निकलना काफी मुश्किल हो जाता है।

कार में लग जाए आग तो क्या करें

अगर आपको इस बात का अंदाजा लग रहा हो कि आपकी कार आग की चपेट में आ रही है तो तुरंत कार को साइड में लगा कर बाहर निकल जाएं। क्योंकि जैसे-जैसे कार आग की चपेट में आती जाएगी उसके भीतर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस फैलने लग जाएगी जोकि बेहद खतरनाक साबित हो सकती है।कार के बोनट को बिलकुल न खोलें यदि आपने ऐसा किया तो आग को ऑक्सिजन मिल जाएगी और आग ज्यादा फ़ैल जाएगी। यदि आपकी कार में अग्निशमन यंत्र है तो उससे आप कार की आग पर कंट्रोल कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

हमेशा ध्यान रखें कि कार की सर्विस ऑथोराइज्ड सर्विस सेंटर से ही कराएं। अक्सर लोग फ्री सर्विस के बाद लोकल जगह से कार की सर्विस कराते हैं। ऐसे में कई बार अप्रशिक्षित मैकेनिक के हाथों से कार में गड़बड़ी हो जाती है जोकि खतरनाक साबित होती है। अपनी कार में एक फायर एक्सटिंग्विशर जरूर रखें, ताकि जरूरत पड़ने आग बुझाने में आप इसकी मदद ले सकें। इसके साथ ही कार में एक सीट बेल्ट क़टर साथ रखें ताकि जरूरत पड़ने पर एक्सीडेंट के दौरान फंसी हुई सीट बेल्ट को काटा जा सके। इसके अलावा कार में एक छोटा हथौड़ा भी रखें, जिससे कार का शीशा तोड़ने में मदद मिले।

अजब-गजब : अपनी पूरी जिंदगी में सिर्फ 1 दिन नहाती हैं यहां की लड़कियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 30 अगस्त : भारत ही नहीं दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां के अनोखे रिवाज चर्चा की विषय बने रहते हैं. कइयों पर तो भरोसा करना भी मुश्किल होता है. ऐसे ही कई परंपरा निभाई जाती है अफ्रीका की हिम्बा जनजातियों के बीच. जहां, लोग मेहमानों के साथ बीवी को सुलाते है और यहां लड़कियां सिर्फ एक ही दिन नहाती हैं वो भी अपनी शादी के रोज. आइये जानते हैं क्या है इसका कारण और क्या है हिंबा जनजाति अन्य परंपराए ,हिंबा जनजाति की लड़कियों के केवल एक ही दिन नहाने की परंपरा है वो भी शादी के दिन. ऐसा वहां पानी की कमी के कारण किया जाता है. हालांकि, सारी उमर न नहाने के बाद भी उनकी महिलाओं के शरीर से बदबू नहीं आती. इसके लिए वो एक खास किस्म का पेस्ट का उपयोग करती हैं जो तेल में एक खनिज की धूल मिलाकर तैयार किया जाता है.यहां महिलाएं जिस लेप का उपयोग करती हैं वो सिर्फ गंध मिटना के लिए ही नहीं बल्की कई और काम आता है. ये खास लेप इन मिलाओं को धूप से बचाने के साथ ही कीट पतंगों से त्वचा की रक्षा करता है. इससे महिलाओं के चेहरे पर निखार आता है जिससे इनका रंग हल्का दिखाई देता है. हिंबा जनजाति महिलाएं जड़ी बूटियों का धुआं अपने शरीर में लगाती हैं. यहां के लोग मेहमानों की आवभगत के लिए अपनी बीवी के साथ सुलाने की छूट देते हैं. इस दौरान घर का

साभार - सो.मी.

पुरुष या तो दूसरे कमरे में सोता है या फिर घर के बाहर. हिंबा जनजाति में पुरुषों और महिलाओं को अन्य लोगों के साथ एक से अधिक संबंध बनाने की आजादी है.

देर रात तक जागने के ये बड़े नुकसान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 30 अगस्त : रात को समय पर सोना और सुबह सूरज निकलने के बाद जागना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है। प्रकृति ने रात सोने के लिए और दिन काम के लिए बनाया है, लेकिन कुछ लोग देर रात यानी सुबह होने तक जागते हैं और आधे दिन तक सोते हैं। अगर हम कुदरत को दरकिनार करके अपना रास्ता अलग बनाएंगे तो उसका अंजाम हमें भुगतना ही होगा। अच्छी सेहत के लिए रात की नींद बेहद जरूरी है। रात को जल्दी सोना और सुबह 6 बजे तक उठना अच्छी सेहत के लिए जरूरी है।

देर रात तक जागने से सुबह हम देर तक सोते रहते हैं, जिससे हमारा भोजन ठीक से पचता नहीं और हमें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आपको अक्सर देर रात तक काम करने या जागने की आदत है तो इस आदत को जल्द से जल्द बदल दीजिए। ये आदत आपको कई तरह की परेशानियां दे सकती है। पहले

देर रात तक जागने से सेहत को नुकसानः

देर रात तक जागने वाले लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर बढ़ने से बॉडी में अन्य बीमारियां जैसे ब्रेन स्ट्रोक और हार्ट डिजीज के खतरे बढ़ने लगते हैं।देर रात तक जागने से भूख नियंत्रित करने वाले हार्मोन का स्तर भी प्रभावित होता है।देर रात तक जागने से आप मानसिक रोगी बन सकते हैं। सुबह तक जागने से दिमाग के न्यूरोट्रांसमीटर पर बुरा असर पड़ता है, जिससे डिप्रेशन, एंग्जाइटी और सनक जैसी मानसिक बीमारियां हो सकती हैं। नींद पूरी नहीं होने की वजह से आपको दिन में गाड़ी चलाते समय नींद की झपकी आ सकती है जिससे दुर्घटना होने का खतरा बढ़ जाता है।

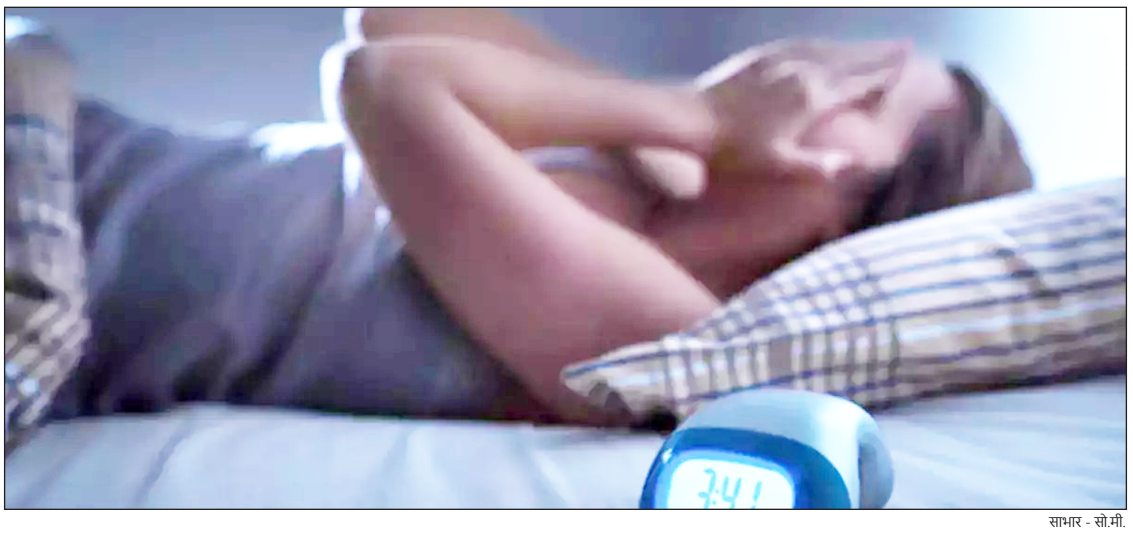

साभार - सो.मी.

सुबह देर से उठने से बॉडी में आलस भरा रहता है जिससे काम करने में मन नहीं लगता।दिन तक सोने से सिर भारी रहता है और आंखों में दर्द और आंखों की कई समस्याएं लगातार बनी रहती है।रात भर जागने से दिमाग पर भी असर पड़ता है। देर रात तक जागने से भ्रम की समस्या पैदा हो जाती है। नींद पूरी नहीं होने के कारण ऐसी चीजें दिखती हैं जिनका असल में कोई अस्तित्व ही नहीं होता।

लघु व्यापारियों ने नगर निगम पहुंचकर दोहरायी अपनी छह सूत्रीय मांग

हरिद्वार। लघु व्यापारियों ने छह सूत्रीय मांगों को लेकर कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना से मुलाकात की। रोड़ी बेलवाला में नगर निगम की ओर से विकसित किए गए महिला पिंक वेंडिंग जोन, पहले न्यू स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी घाट मार्ग, ज्वालापुर, पुल जटवाड़ा वेंडिंग जोन में मूलभूत सुविधाओं के साथ किराएदार ई अनुबंध किए जाने की मांग दोहराई। भगत सिंह चौक सेक्टर टू बैरियर के वेंडिंग जोन की सूची प्रकाशित किए जाने का मामला भी उठाया।

संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा कि शहरी विकास विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग को संयुक्त रूप से समन्वय स्थापित कर शहरी क्षेत्र में महिलाओं को रोजगार देने के उद्देश्यों की पूर्ति करनी चाहिए। पूर्व में चिन्हित किए गए पुराने रानीपुर मोड़ से भगत सिंह चौक, रेलवे लाइन किनारे के भोजनालय बाजार को महिला पिंक वेंडिंग जोन के रूप में विकसित करने की मांग की।

केंद्र व प्रदेश के विकास कार्यों का लाभ मिल रहा पार्टी को: रेखा वर्मा

बागेश्वर। भाजपा प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा ने कहा कि राज्य सरकार व केंद्र सरकार के विकास कार्यों का लाभ पार्टी को मिल रहा है। बागेश्वर उप चुनाव बहुत अच्छे मतों से जीत रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता वर्ष भर जनता के बीच रहते है। उनकी सेवा करते है। भाजपा चुनावो के समय ही जनता के बीच नही जाते है। हमेशा जनता के बीच ही रहते है। पार्टी कार्यालय पर पत्रकार वार्ता के दौरान वर्मा ने कहा कि बागेश्वर विधान सभा में चंदन राम दास द्वारा जो विकास के कार्य किए हैं उसका सीधा लाभ पार्टी को मिल रहा है। समावेशी विकास की नीति के चलते अभी वर्गों का समर्थन पार्टी को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी हर चुनाव में पाला बदलते रहते है। उनके द्वारा जिस पार्टी से भी चुनाव लड़ा है। वह पार्टी लगातार उत्तराखंड में गर्त में गई है। इस चुनाव में कांग्रेस भी डूबती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में महिलाओं का रुझान भाजपा के पक्ष में दिख रहा है। 2022 के आम चुनावों में भी मातृ शक्ति का जिस तरह समर्थन मिला था।